



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2009

HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours

100 marks

These marking guidelines were used as the basis for the official IEB marking session. They were prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom were required to attend a rigorous standardisation meeting to ensure that the guidelines were consistently and fairly interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

At standardisation meetings, decisions are taken regarding the allocation of marks in the interests of fairness to all candidates in the context of an entirely summative assessment.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines, and different interpretations of the application thereof. Hence, the specific mark allocations have been omitted.

Please note that learners who provided alternate correct responses to those given in the marking guidelines will have been given full credit.

प्रश्न एक

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए।

नारियल

फलों में नारियल का स्थान सर्वश्रेष्ठ है। यज्ञ पूजा हवन करते समय इसकी बड़ी आवश्यकता होती है। नारियल की जड़ से पल्लव तक के सभी भाग हमारे लिए उपयोगी हैं। इसका पौधा रेतीली ज़मीन में खूब उगता है। फिर भी इसे जहाँ रोप सकते हैं। नारियल विभिन्न प्रकार के होते हैं। पेम्बा नारियल पाँच साल में फल देने लगता है। इसका फल छोटा होता है मगर इसके गुच्छे पीले पीले नारियल से भरे पूरे होते हैं। घर के आगे पीछे एक दो पेम्बा नारियल के पौधे रोपने से घर आँगन की शोभा बढ़ जाती है। इससे आर्थिक लाभ के साथ ही साथ मेहमानों को परोसने के लिए भर भर गिलास पानी भी मिल जाता है। नारियल का हानी स्वादिष्ट एवं पाचक होता है।

नारियल का पेड़ बहुत उँचा होता है। इस की लकड़ी से मेज़ कुरसी अलमारी पलंग आदि घर का सामान बनाया जाता है। इसके पत्तों से झोंपड़ियों की छतें छाई जाती हैं। चटाइयों और टोकरियाँ बनाई जाती हैं। पत्तों के डंठल से झाड़ू बनाते हैं। नारियल का छिलका कठोर और रेशों से जकड़ा होता है। फर्श पर बिछाने के टाट चटाई और पायदान बनाते हैं। सूखे नारियल के छिलके से कटोरी करछी खिलौने आदि वस्तुएँ बनाई जाती हैं।

कच्चे नारियल की गरी मुलायम होती है और उसमें ज्यादा पानी होता है। जैसे जैसे नारियल पकता जाता है वैसे वैसे पानी सूखता जाता है। इसके पूरे पक जाने पर गरी सख्त हो जाती है। सख्त गरी को खोपरा कहते हैं। खोपरे का रंग सफेद होता है। खोपरे से तेल निकालते हैं। तेल निकालने के बाद खली बच जाती है। वह पशुओं को खिलायी जाती है। नारियल के तेल से घी मक्खन मोमबत्तियाँ और साबुन बनाते हैं। इससे तरकारी पकती है। खोपरे का तेल सिर पर लगाते हैं।

नारियल का पेड़ कल्प वृक्ष के समान फलदायक है।

१. फलों में नारियल की जगह कैसी है? २ सर्वश्रेष्ठ है
२. किन किन अवसरों पर नारियल की जरूरत होती है ? ३

यज्ञ पूजा हवन करते समय इसकी बड़ी आवश्यकता होती है

३. नारियल से क्या क्या वस्तुएँ बनाई जाती हैं ? ४

इस की लकड़ी से मेज़ कुरसी अलमारी पलंग आदि घर का सामान बनाया जाता है। इसके पत्तों से झोंपड़ियों की छतें छायी जाती हैं। चटाइयों और टोकरियों बनाई जाती हैं। पत्तों के डंठल से झाड़ू बनाते हैं। नारियल का छिलका कठोर और रेशों से जकड़ा होता है। फर्श पर बिछाने के टाट चटाई और पायदान बनाते हैं। सूखे नारियल के छिलके से कटोरी करछी खिलौने आदि वस्तुएँ बनाई जाती हैं।

४. “वृक्ष के समान फलदायक है” वाक्य को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ? ४

इसका अर्थ है कि यह फल बहुत उपयोगी है।

५. अवतरण में से समानार्थी शब्द लिखिए

४.१. यज्ञ हवन ४.२. जल पानी २

५.१. नीचा ऊँचा ५.२. नरम मुलायम २

७. आप के विचारों के अनुसार क्या नारियल उपयोगी फल है ? ३

नारियल की जड़ से पल्लव तक के सभी भाग हमारे लिए उपयोगी हैं। इसका पौधा रेतीली ज़मीन में खूब उगता है फिर भी इसे जहाँ रोप सकते हैं। नारियल विभिन्न प्रकार के होते हैं। पेम्बा नारियल पाँच साल में फल देने लगता है। इसका फल छोटा होता है मगर इसके गुच्छे पीले पीले नारियल से भरे पूरे होते हैं। घर के आगे पीछे एक दो पेम्बा नारियल के पौधे रोपने से घर आँगन की शोभा बढ़ जाती है। इससे आर्थिक लाभ के साथ ही साथ मेहमानों को परोसने के लिए भर भर गिलास पानी भी मिल जाता है। नारियल का हानी स्वादिष्ट एवं पाचक होता है।

(२०)

प्रश्न दो

निचे दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुन कर अवतरण की खाली जगहों में लिखिए

दिया ४ पेड़ २ कलेजा ५ मीठे-मीठे ३ बन्दर १

एक --१---और एक मगर में गहरी दोस्ती थी । मगर दरिया में रहता था और बन्दर तट के एक जामुन के --२---पर । बन्दर प्रतिदिन --३---जामुन तोड़ता-खुद खाता और अपने मित्र को खिलाता था । एक दिन मगर ने कुछ जामुन अपनी स्त्री को --४---। मगरी को जामुन बहुत पसंद आया । हे मगर ! मगरी ने पूछा --“ इतना स्वदिष्ट फल तुम्हें कहाँ से मिला ।”

मगर बड़े अभिमान से गर्दन हिलाकर बोला, “मेरा मित्र, जो जामुन के पड़ पर रहता है मुझे प्रतिदिन देता है ।” मगरी ने एक लम्बी साँस ली और बोली, “ओह, “तुम्हारा मित्र इतना मीठा फल खाता है . तो उसका कलेजा कितना मीठा होगा , अब मैं उसका --५--- खाऊँगी । (१०)

प्रश्न तीन

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए ।

रक्षा बन्धन

रक्षा बन्धन हिन्दुओं का एक बहुत पुराना त्योहार है । रक्षा बाधन का अर्थ है -“तन मन और धन से अपने वचन की रक्षा करना” । यह त्योहार राखी के नाम से अधिक प्रसिद्ध है । पुराने समय में राखी सूत के धागों से बनती थी । आजकल रंग- बिरंगी सुन्दर सुन्दर राखियाँ मिलती हैं । राखी मँहगी हो या सस्ती , सूत की हो या रेशम की महत्त्व सभी का एक ही जैसा होता है ।

रक्षा बन्धन भाई - बहनों का अमर त्योहार है । यह पर्व श्रावण शुक्ल – पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है । यह इतना पवित्र और प्रेम से ओत – प्रोत है कि इसकी तुलना किसी अन्य त्योहार से नहीं की जा सकती है । राखी के दिन बहन के कोमल

हृदय के सच्चे प्रेम की झलक देखने को मिलती है। भाई, बहन से छोटा हो या बड़ा, दूर हो या पास, बहन इसका भेद नहीं मानती। थाल में पान, फल कपूर, मिठाई तथा अपनी पसंद की राखी लेकर वह भाई के घर जाती है।

३.१. कोष्ठक में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए ४

३.१. रमा के भाई ने मिठाई (खाया खाई खाए)।

३.२. वह भाई की आरती (करता करती करते) है।

३.३. रक्षा बन्धन एक (पर्व फिल कथा) है।

३.४. भेंट बहन (को का के) देता है।

३.२. दिए गए प्रश्नों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए। ४

३.२.१. यह त्योहार कब मनाया जाता है ?

श्रावण रविवार कार्तिक

३.२.२. थाली में क्या है ?

कपूर पत्थर घास

३.२.३. राखी किससे बनती है ?

पत्ते रेशम फूल

३.२.४. भाई के माथे पर बहन क्या लगाती है ?

तिलक राखी चावल

४. इन शब्दों की स्त्रिलिङ्ग शब्द लिखिए

४.२.१. भैया दीदी ४.२.२. ईश्वर ईश्वरी

२

५. इन शब्दों को बहुवचन में लिखिए

५.१.१. हिन्दू हिन्दू ५.२.२. बहन बहनें

२

६. अनुच्छेद में से ३ संज्ञा और ३ सर्वनाम लिखिए

६.१.१. संज्ञा १ _____ २ _____ ३ _____

६.१.२. सर्वनाम १ _____ २ _____ ३ _____ ६

७. वाक्य का सही काल लिखिए (कोष्ठक में से उत्तर चुनिए)
(भूतकाल भविष्यत काल वर्तमान काल)

७.१.१. राखी लेकर वह भाई के घर जाती है । वर्तमान काल

७.१.२. सूत के धागों से बनती थी । भूतकाल

७.१.३. राखी पर हम मिलेंगे । भविष्यत काल ६ (२४)

८. चित्र वर्णन : निम्न चित्र को देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।



- ८.१.१. इस चित्र में आप क्या क्या देख सकते हैं ? सिर्फ तीन वस्तु का नाम दीजिए । ३
- ८.१.२. ये लोग कहाँ हैं ? २ परिवार या सत्संगी
- ८.१.३. वह क्या करते हैं ? २ हवन
- ८.१.४. मुख्य आदमी इस कार्य में कौन है ? २ पंडित
- ८.१.५. इस चित्र को देख कर आप में क्या भावना उठते हैं ? ३ शांत
- ८.१.६. इस के बारे में आप का विचार बताईए ? ४ हवन करना घर में सुख और शांति मिलते हैं ।

(१६)

{७०}

साहित्य

१. कविता

१.१. निम्नलिखित अवतरण जो नवयुवक से निकाला गया है अपने शब्दों में संक्षेप व्याख्या कीजिए ४

तू अखिल शक्ति का धाम युवक, तेरी समता कह कौन करे ॥

तू कौन काम कर सका नहीं, तू कहाँ नहीं, क्या नहीं अरे ?

कवि का पूकार कि युवा अपने को पहचान । नवयुवक में बहुत शक्ति है ।

युवा अपने आप को नहीं समझते । वह समुद्र की तरह महान है । यह ज्ञान

हमेशा से आ रहे हैं । one mark per point.

१.२. इस कविता सुविधा नहीं मिली जीवन में - कवि को जीवन में कौन सी सुविधा नहीं मिली । ४

कैसी समता, प्यार कहाँ का सुख किस डाली पर खिलता है,

हम को दर्द बदलने तक सुविधा नहीं मिली जीवन में ।

one mark per point.

२. कहानी : चोरी

२.१. बिन्दू ने चोरी क्यों की ? २ बिन्दू भूखा था

२.२. नन्दन ने मालती को किस तरह शान्त किया ? २ ने मालती नन्दन को शान्त किया । कहा कि असली बात जानने का तरीका नहीं है

२.३. “एक बार नीयत बिगड़ी तो क्या फिर हाथ रूकता है ?” ,किसने कहा और क्यों ? २ मालती । उस ने समझा कि बिन्दू ने चोरी की है ।

२.४. कहानी - काकी - श्यामू ने क्यों उपद्रव मचाया २
लोग जब उमा को श्मशान ले जाने के लिए उठाने लगे . तब श्यामू ने बड़ा उपद्रव मचाया ।

३. रामायण — सीता स्वयंवर

३.१. इस दोहे को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ४

नाचहिं गावहिं विबुध बधूटीं । बर बर कुसुमांजलि छूटीं ॥
जहँ तहँ विप्र बेद धुनि करहीं । बंदी बिरिदावलि उच्चरही ॥

अर्थ : देवताओं की स्त्रियाँ नाचती गाती हैं । बार बार हाथों से पुष्पों की अञ्जलियाँ छूट रही हैं ।

जहाँ तहाँ ब्रह्मण वेदध्वनि कर रहे हैं और भाट लोग विरूदावली कुलकीर्ति बखान रहे हैं ।

४. वापसी

४.१. वापसी कहानी के अनुसार सही उत्तर कोष्ठक में से चुनकर लिखिए

गजाधर बाबू ने कमरे में जमे १ (नल समान) पर एक नज़र दौड़ाई-दो बक्स, डोलची, बालटी — “यह डिब्बा कैसा है गनेशी ?” उन्होने पूछा । गनेशी २ (बिस्तार काजग) बौधता हुआ, कुछ गर्व, कुछ दुःख, कुछ लज्ज से बोला “घरवाली ने साथ को कुछ

बेसन के ३ (लड्डु भात) रखा दिए हैं । कहा, बाबुजी को पसन्द थे, अब कहों हम
४ (गरीब अमीर) लोग आपकी कुछ खातिर कर पाएँगे । ” घर जाने कि खुसी में भी
गजाधर बाबू ने एक विषाद का अनुभव किया, जैसे एक परिचि स्नेह, आदरमय सहज
संसार से उनका नाता ५ (टूट बन) रहा था ।

“कभी- कभी हम लोगों की भी खबर लेते रहिएगा ।” ६ (रमेश गनेशी) बिस्तर मे
७ (रस्सी राखी) बाँधता हुआ बोला ।

“कभी कुछ जरूरत हो तो लिखना, गनेशी । इस अगहन तक ८ (बेटा
बिटिया) की ९ (जनम दिन शादी) कर दो ।” गनेशी ने अगोछे के छोर से
आँखें पोछें, “अब आप लोग १० (सहारा पैसे) न देंगे, तो कौन देगा ।

१०

{३०}

[१००]